



हिन्दुस्तान

भरोसा जए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार
31 मई 2024, घनवाट

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

प्रज्ञाननंदा ने पहली बार
विश्व नंबर-1 खिलाड़ी
कार्लसन को वलासिकल
बाजी ने मात दीसंकल्प पत्र डाउनलोड
करने के लिए QR Code को
स्कैन करें

आपका एक बाट भाजपा को

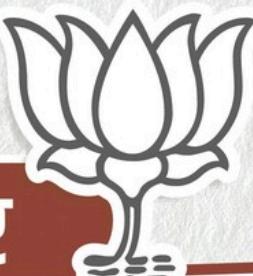


सबका अपने घर का सपना पूरा करेगा

भारत को तीसरी
सबसे बड़ी अर्थ-शक्ति
बनाएगामुद्रा योजना की
राशि ₹20 लाख तक
बढ़ाएगा70 साल से अधिक आयु के
सभी वरिष्ठ नागरिकों
को ₹5 लाख तक का
बुप्त इलाज दिलाएगाभारत को मैन्युफैक्चरिंग
का ग्लोबल हब बनाकर
युवाओं को रोजगार के
अनेक अवसर दिलाएगाघर-घर तक
पाइप से सस्ती
रसोई गैस पहुंचाएगाहर घर तक
जल से जल पहुंचाएगापीएम सूर्य घर योजना
से बिजली बिल जीरो
करेगावंचित समाज के
युवाओं के लिए रोजगार
के नए अवसर बढ़ाएगाकिसान सम्मान निधि
सीधे अन्नदाता के
रखाते में पहुंचाएगा3+ करोड़ बहनों को
लखपति दीदी बनाएगा

भाजपा का संकल्प / मोदी की गारंटी

फिर एक बार
मोदी सदकार



Published by: Bharatiya Janata Party, 6A, Pandit Deen Dayal Upadhyaya Marg, New Delhi | No F.3/CEO/MNC/2024/1680

प्रयार के अंतिम दिन लगाया जोर

इस बार वोट से उलगुलान: कल्पना



पाकुड़ के हिरण्यपुर मैदान में गुरुवार को आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करतीं पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन। ● हिन्दुस्तान

पाकुड़/हिरण्यपुर, हिटा। ये संताल परगना है, यहाँ पहले भी उलगुलान हुआ था। इस बार बीजेपी वालों को चेता देना चाहती हैं क्षेत्र के उलगुलान का व्यक्ति के अंदर में है। चाहे वो आदिवासी हो, दलित हो, गरीब-गुरुवा हो। इस बार ये वोट के माध्यम से उलगुलान का संदेश देंगे। यह बातें पाकुड़ के रहस्यपुर तथा हिरण्यपुर कुट्टांगल मैदान में आयोजित चुनावी सभा को ज्ञानमोर्चा की स्टर प्रचारक लग्नपना मुर्ख सोरेन ने संबोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े हवाई जहाज लेकर संताल परगना आ जाए। केंद्रीय मंत्री, दूसरे राज्य के मुख्यमंत्री सब ले आइए लैंग के लिए अब जुकने वाले नहीं हैं। बुझाये नहीं सिखाया है कि लड़ना मंजूर है, लेकिन जुकना मंजूर नहीं। जब सिद्धी-काहू, चांद-भैरव, तिलकामांझी आदि ने जुकना नहीं सीखा, जब वीर शिव सोरेन नहीं जुके तो आपका बेटा हेमंत सोरेन इन लोगों के अपेक्षा की ज्ञान जाएगा। एक मुख्यमंत्री जब आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक झारखंड वासियों के लिए काम कर रहा

उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े हवाई जहाज लेकर संताल परगना आ जाए। केंद्रीय मंत्री, दूसरे राज्य के मुख्यमंत्री सब ले आइए लैंग के लिए अब जुकने वाले नहीं हैं। बुझाये नहीं सिखाया है कि लड़ना मंजूर है, लेकिन जुकना मंजूर नहीं। जब सिद्धी-काहू, चांद-भैरव, तिलकामांझी आदि ने जुकना नहीं सीखा, जब वीर शिव सोरेन नहीं जुके तो आपका बेटा हेमंत सोरेन इन लोगों के अपेक्षा की ज्ञान जाएगा। एक मुख्यमंत्री जब आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक झारखंड वासियों के लिए काम कर रहा

माजपा इस बार पूरी तरह साफ़: इमरान

देवघर/ जामताड़ा, हिटा। इंडिया गढ़बंधन से दुमका के प्रत्याशी निलन सोरेन के पक्ष में गुरुवार को कांग्रेस के स्टर प्रचारक व मुरावाबाला लोकसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने जनसभा की। देवघर के चितरा, साहिबगंज और जामताड़ा में उन्होंने लोटी सरकार के साथ भाजपा की संबोधित किया। उनके साथ सूचे के स्वास्थ मंत्री बना गुप्ता, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो भी थे। इमरान ने कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा साफ़ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में झारखंड की स्वास्थमनी जनता ने मन बना लिया है कि मंदिर-मस्जिद के नाम पर आपस में लड़ाने वाली भाजपा को वोट नहीं देना है।

उन्होंने कहा कि आज देश में झूट का बोलबाला है। पीएम मोदी और अमित शाह जनता को झूठे आश्वासन दे रहे हैं। उन्हें बरगलाने का काम कर रहे हैं, पर जनता अन्यकी सच्चाई जान चुकी है और इस लोकसभा चुनाव में इंडी गढ़बंधन को चुनने जा रही है। लोग प्रधानमंत्री के तौर पर राहुल गांधी को स्वीकार कर

दुमका/देवघर, हिटा। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को पूर्व सांसद पप्पू यादव झामुनी प्रत्याशी निलन सोरेन के पक्ष में दुमका पहुंचे। वहाँ उन्होंने मोटी सरकार के साथ भाजपा की तो खाली आलोचना की।

उन्होंने कहा कि आज देश में झूट का बोलबाला है। पीएम मोदी और अमित शाह जनता को झूठे आश्वासन दे रहे हैं। उन्हें बरगलाने का काम कर रहे हैं, पर जनता अन्यकी सच्चाई जान चुकी है और इस लोकसभा चुनाव में इंडी गढ़बंधन को चुनने जा रही है। लोग प्रधानमंत्री के तौर पर राहुल गांधी को स्वीकार कर

रांची, संवाददाता। पूर्व भारतीय कपात महेंद्र सिंह धोनी की ओर से दर्ज अरका स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के महिर दिवाकर और सौम्या दास के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में दर्ज आपाधिक मामले की गुरुवार को आंशिक सुनवाई हुई।

न्यायिक दंडाखाकारी राज कुमार पांडेय की अदालत में 15 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े मामले में सुनवाई हुई।

इसमें आरोपी महिर दिवाकर, उसकी पत्नी सौम्या दास एवं अरका स्पोर्ट्स प्राइलि. के खिलाफ पूर्व से समन जारी है लेकिन दोनों पत्नी की अदालत में उपरिक्षित दर्ज नहीं कराई। अदालत

वस्तुओं की महता आर्कॉन्स-24' के पहले दिन चर्चा में निकलकर आई।

इसमें भारी उद्योग क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया गया। सम्मेलन मेकॉन-सेल द्वारा आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मिनिस्ट्री ऑफ स्टील के सचिव नागेन्द्र शिल्प बोले, कैपिटल इकायपर्सेंट मैकिंग में हमारी अच्छी स्ट्रेट है। देश में स्टील की क्षमता व मांग बढ़ रही है।



पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी गुरुवार को साहिबगंज में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए। ● हिन्दुस्तान

पाकुड़/दुमका/ साहिबगंज, हिटा। जब तक मोटी प्रधानमंत्री है, भारत के संविधान को कोई नहीं बदल सकता। किसी भी जो काम का आरक्षण समाप्त नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने खुद दुमका में आयोजित सभा में लोगों का संबोधित करते हुए यह बातें कही है। इंडी गढ़बंधन के लोग वोट के लिए लोगों को केवल गुरुवार करने का काम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी गुरुवार को साहिबगंज, दुमका और पाकुड़ में भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी और सीता सोरेन के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इंडी गढ़बंधन ने साढ़े चार साल तक राज्य को सिर्फ लूटने का काम करना चाहता था। इसके अलावे कुछ नहीं किया। इन लोगों से ज्ञारखेंड को बचाना है। इन लोगों का गुरुवार रुपयों के पहाड़ के साथ समझने आया है तो भाजपा ने फैसा दिया का रोना रहे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गढ़बंधन ने चोरों की भरमार है। कोई बालू चोरी कर रहा है तो रहा है, कोई कोरला चोरी कर रहा है तो रहा है। इन लोगों से करोड़ों रुपए निकल रहे हैं। भ्रष्टाचारी के लालार जेल रहे हैं। मोटी के सरकारों के घर से करोड़ों रुपए निकलने वाला सारा देश के लिए जनता का है। उन्होंने कहा कि इस बुनाव पर देश की खुशहाली टिकी है।

का काम सिर्फ चोरी करना ही रह गया है। आज इन लोगों को घर से करोड़ों

रुपए बरामद हो रहे हैं।



देवघर के वितरा में गुरुवार को जनसभा में मौजूद इमरान प्रतापगढ़ी, राजेश ठाकुर, बना गुप्ता व अन्य।

मोटी सरकार में उद्योगपतियों का विकास

इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मोटी सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में जनता के बजाय उद्योगपतियों का विकास किया है। इन लोगों की मोटी के शासनकाल में ही बैंकों का कर्ज तेकर विजय माल्या जैसे लोग देश के छोड़कर भागने में सफल हुए।

देवघर के वितरा में इमरान प्रतापगढ़ी की जनसभा में गुरुवार को विजय बंदर विकास के संबोधित किया। कहा कि इसारखेंड में भाजपा सभी सीटें हासने जा रही हैं।

इसलिए मतदाता अपना वोट बर्बाद नहीं करें और सही जगह ही अपना वोट देना का काम करें।

13 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होनी पेशी

के कर्मी तापस धोष और चौकीदार संजीत कुमार की न्यायिक हिरासत अवधि दो सप्ताह बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद हेमंत सोरेन को गुरुवार को विजय बंदों के समझ से अदालत के समझ पेश किया गया।

पेशी के बाद अदालत ने हेमंत सोरेन एवं बड़गांव अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी बानु प्रताप प्रसाद, झामुमो नेता अंतु तिकी, मो सदाम, मो. अफसर अली, विपिन सिंह, प्रियरंजन साहाय, डरसाद, अरक्षर, हजारीबाग के कोई बालू की भरमा, कोलकाता के रजिस्ट्रार और एस्योरेस से रेजिस्ट्रार अंदाजे के राजस्व धोष और चौकीदार संजीत कुमार की जाएगी। हेमंत सोरेन एक फरवरी से न्यायिक हिरासत में हैं।

नशे के कारोबार पर रोक के लिए बनेंगे एनडीपीएस थाने

रांची, संवाददाता। एनएमएलए कोर्ट ने बड़गांव अंचल के 8.46 एकड़ जमीन गड़गांडी में शामिल राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सेरेन 11 की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद हेमंत सोरेन को गुरुवार को विजय बंदों के साथ समझ से अदालत के समझ पेश किया गया।

पेशी के बाद अदालत ने हेमंत सोरेन एवं बड़गांव अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी बानु प्रताप प्रसाद, झामुमो नेता अंतु तिकी, मो सदाम, मो. अफसर अली, विपिन सिंह, प्रियरंजन साहाय, डरसाद, अरक्षर, हजारीबाग के कोई बालू की भरमा, कोलकाता के रजिस्ट्रार और एस्योरेस से रेजिस्ट्रार अंदाजे के राजस्व धोष और चौकीदार संजीत कुमार की जाएगी। हेमंत सोरेन एक फरवरी से न्यायिक हिरासत में है।

मोटी और शाह जनत



हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार

31 मई 2024, ज्येष्ठ चूनाव पक्ष, अष्टमी, विक्रम सम्बत् 2081, धनबाद

नगर संस्करण, वर्ष 14, अंक 127, 18 पेज, गूल्य 5.00

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

प्रज्ञाननंदा ने
वलासिकल चेस में
कार्लसन को हराकर
इतिहास रच दिया



एक देश, एक चुनाव पर आम सहमति बनाना चाहते हैं: मोदी

एक सवलूसिव

शारीर शेष

"ये संभव है.. 'एक देश, एक चुनाव' करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन हम चाहते हैं कि इस पर आम सहमति बने।" - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'हिन्दुस्तान' से साक्षात्कार के दैरान यह बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर 'हिन्दुस्तान' को दिए साक्षात्कार में चुनाव से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा की। इस दैरान उन्होंने 'एक देश, एक चुनाव' पर भी अपने विचार रखे। मोजूदा चुनाव प्रचार के दैरान इस संवाददाता से यह उनकी तीसरी बातचीत थी।

मोदी ने कहा, 'एक देश, एक चुनाव भाजपा और हमारी सरकार का विचार रहा है। लेकिन हम ये चाहते हैं कि एक आम सहमति बने। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमेटी ने जो रिपोर्ट तैयार की थी, उसमें इस बारे पर यह उनके समझाया गया है। इस पर यूं देश में चर्चा हो, बाद संवाद हो, लाप्त और हानि पर बात हो, इसमें क्या किया जा सकता है, कैसे किया जा सकता है, इस पर आम सहमति बने।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम इससे सकारात्मक समाधान पर पहुंच सकते हैं। जो सिस्टम अभी है, उसमें हर वक्त कहीं न कहीं चुनाव होता रहता है। इससे सासान को तुक्सन होता है जिसे बदलने की जरूरत तो ही है, लेकिन कैसे करें, इस पर संवाद जरूरी है।

इतिहास में देखें तो जब संसाधन



ये भी कहा...

चुनाव में धार्मिक विभाजन: 'इंडी' गटबंधन चुनाव में धार्मिक विभाजन की बात कर रहा है। वे घोषणापत्र में खुलेआम ये लिख रहे हैं कि वे जनता की संपत्ति छीन लेंगे और उसका बटवारा दूसरों में कर देंगे।

पूर्वीचल: पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रति पिछली सरकारों का रवैया निराशाजनक रहा। यहां से वोट लिए लेकिन जब विकास की बारी आई तो इहें पिछड़ा करकर छोड़ दिया। आज हम वहां विकास की गंगा बहा रहे हैं।

काशी ने जो दिया: मुझे काशी में जो अनुभूति हुई, वह अभूतपूर्व है। जब मैं यहां आया तो मैंने कहा, मुझे मां गंगा ने बुलाया है। अब ये भी कहूँगा कि मां गंगा ने मुझे गोद लिया है। यहां से मिले स्नेह को विकास के रूप में लौटा रहा हूँ।



और तकनीक कम थी, तब भी हमारे देश में 'एक देश, एक चुनाव' हो रहे थे। आज दी के बाद शुरूआती कुछ चुनाव इसी तरह हुए। उसके कुछ वर्ष बाद बदलाव हुए। अब भी कुछ राज्यों में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। चुनाव आयोग एक चुनाव करने के लिए काम कर रहा है।

गर्भियों में चुनाव के दैरान हो रही दिक्कतों पर प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ

समस्याएं होती हैं। लेकिन इसमें क्या बदलाव होने चाहिए, या नहीं होने चाहिए, यह किसी एक व्यक्ति, एक पार्टी या सिफे सरकार का बदलाव हुए। अब भी कुछ राज्यों में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। चुनाव आयोग एक चुनाव करने के लिए काम कर रहा है।

इस बार चुनाव में कई बदलाव दिखे हैं, इस सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री

मोदी का कहना था कि आज मतदाता 21वीं सदी की राजनीति देखना चाहते हैं। लेकिन इसमें परकारमेंस, देश को आगे ले जाने वाले विजय, विकास भारत बनाने वाले रोडमैप की चर्चा होती है। मोदी ने कहा, अब लोग यह जनना चाहते हैं कि राजनीतिक दल हमारे बच्चों के लिए क्या करें? देश का भविष्य बनाने के लिए नेता क्या कदम उठाएं? वे दलों का टैक रिकॉर्ड भी देखते हैं कि किस पार्टी ने क्या बढ़ा

किए और कितने पूरे किए। लेकिन 'इंडी' गटबंधन के नेता आज भी 20वीं सदी में ही जी रहे हैं। आज लोग पूछ रहे हैं कि आप हमारे बच्चों के लिए क्या करने वाले हैं तो ये अपने पिता, नाना, परदाना, नानी, परनानी की बात करते हैं। लोग पूछते हैं कि देश के विकास का रोडमैप क्या है तो ये परिवार की सीट होने का दावा करते हैं।

साक्षात्कार पेज 11

प्रधानमंत्री ने ध्यान साधना शुरू की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार शाम कन्यामरी के परिसद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 धर्मी की ध्यान साधना शुरू की। इससे पहले मोदी ने भगवती अमर मंदिर में पूजा की। धर्मी और सफेद शील ओढ़े मोदी ने गर्भगृह की परिक्रमा भी की। प्रधानमंत्री इसके बाद नौका सेवा के जरिये रॉक मेमोरियल तक पहुंचे। मानवता है कि यहां स्वामी विवेकानंद को दिया जाने की प्राप्ति हुई थी।

► यहां ज्ञान मिला, वहां बना विवेकानंद रॉक मेमोरियल पेज 13

प्रमुख पांच

दो दिन पहले ही पूर्वीतर में मानसून की दस्तक

1 दरियापुरी-परिचारी जानसून ने सायर से दो दिन पूर्व ही केल और पूर्वोत्तर राज्यों में एक सायर दस्तक देती है। P13

प्रज्वल रेवन्ना बैंगलुरु हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

2 विलालों के दीन शेष के आधिपी जनता दल (ऐत्युल) के नेतृत्व प्रारंभ से नियमान्वय हुए।

भारतीय टीम ने शूट आउट में जर्मनी को मात दी

3 गोदान ने जीत दी दिया। गोदान ने जीत के साथ किया। P12

दाई गुण बढ़े बैंकों में धोखाधड़ी के मामले

4 बैंकों से जुड़े दोषीयों के जाली 2023-24 में दाई गुण ने अधिक बढ़कर 36,075 रहे। P12

मुस्लिम सांस्कृदारी सुधारने का सवाल

5 हमारे देश का लोकान्तरिक इतिहास यह दिखाता है कि कौसे ऐ-गुरुवार जेता भी मुस्लिमों की समस्याओं के लिए खड़े होते हैं। इस दर्शन पर जारी करना चाहिए। P10

यू० पी० और बिहार में
गुरु कूलर 50,000+
परिवार

गर्भी को करो हवा हवाई

इन्टर्टर पर
भी चले

कम बिजली
खपत

कूलर का गुरु
एक ही काफी है
घर ठंडा रखने
के लिए
बड़ा मेटल फैन ब्लैड (45 cm)
दे ठंडी हवा
हर तरफ....दूर तक
एक बार भरिये दिन
रात चलाइये
बड़ा वाटर टैंक
90/120 लीटर
सिर्फ आधार कार्ड लेकर आइये
आइसन कूलर घर ले जाइये
मात्र 1 रुपए में
शेष आसान ब्याज मुक्त मासिक किश्तों में

Available At **आदित्य विजन**

For Distributor Enquiry
Contact - Mr. Lalit Deo - 8562 960 509

Customer Care No.: 1800-22-7585

www.aisenindia.com

Email: wecare@aisenindia.com

aisen®

DIT University Dehradun

FOR A FOCUSED FUTURE

WITH

70+ PROGRAMS

94%

Consistent YoY
average placements

1450+

Placement Offers
in 2023-24

19000+

Strong global
alumni network

3900+

Students
working abroad

200+

Competitive Exam
Selections

220+

Faculty Members
with PhD

NAAC GRADE A Accredited University

Highest Package 58 LPA

Value Added Training • Unmatched Faculty
Dynamic Curriculum • Collaborative Programs

LOCK THE DATES

FOR ON-CAMPUS MERIT BASED COUNSELLING

FOR ALL UG AND PG PROGRAMS

Last Date of Registration: 7th June 2024

Counseling Date: 9th June 2024

Engineering & Technology • Architecture & Planning • Design • Liberal Arts & Management
Physical Sciences • Pharmaceutical Sciences • Computing • Nursing • Healthcare Professions

Mussoorie Diversion Road, Dehradun - 248 009 (Uttarakhand) INDIA

Toll Free: 1800 1210 41000 | Mobile: +91.7217039840

email: admissions@dituniversity.edu.in

nirf



शुक्रवार

31 मई 2024, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, अष्टमी, विक्रम संवत् 2081, धनबाद

नगर संस्करण, वर्ष 14, अंक 127, 18 पेज, गुल्फ 5.00

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

पंत बोले, भारत
की जर्खी
पहनना अलग
अहसास

18 जिलों में पारा 40 पार, पलामू में 5, कोल्हान में 6, गुमला, गिरिडीह, खूंटी में 1-1 की मौत दो माह से जारी चुनावी शोरथमा सूखे में पारा प्रचंड, लू से 14 मरे अंतिम दिन दलों ने झोंकी ताकत

रांची, बरीय संवाददाता। झारखंड में प्रचंड गर्मी का प्रकोप गुरुवार को भी रहा। राज्य के 18 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लू का चपेट में आने से 14 लोगों की मौत हो गई। इनमें चार सरायकेला, एक प. सिंहभम, एक घाटशिल के गालूरूह, पांच पलामू समत गुमला, गिरिडीह और खूंटी के एक-एक व्यक्तिशामिल थे। इधर, भौंगा 4 ए आउटसोर्सिंग परियोजना में कार्यरत चार ब्लास्टिंग मजबूर गुरुवार की दोपहर 10 लोगों से बेहोश हो गए।

पलामू और गढ़वा में लगातार तीसरे दिन भीषण गर्मी रहा। रांची में अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगली तीन दिनों तक लू का यातो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि शुक्रवार

42 डिग्री रहा रांची का अधिकतम तापमान

- 47.4 डिग्री गिरिडीहनगर में रहा गुरुवार को सर्वाधिक तापमान
- तीन दिनों तक राज्य में और लू चलने का यातो अलर्ट जारी
- आज से संताल और कोल्हान में मौसम बदलाव की संभावना
- भौंगा में लू से चार मजबूर हुए बेहोश, चाल रहा है इलाज



गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के बांदू गांव में गुरुवार को भीषण गर्मी से मरे चमगाड़।

से

लगिस्यस रहा। रांची में अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगली तीन दिनों तक लू का यातो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि शुक्रवार

देखियी थांगों में तेज हवा और गरज के साथ कहीं-कहीं विच्छात के आसार हैं। इस दीरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रतिघण्टे रह सकती है। इस

से राज्य के पर्व-उत्तर के संताल तथा देखियी थांगों में तेज हवा और गरज के साथ कहीं-कहीं विच्छात के आसार हैं। इस दीरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रतिघण्टे रह सकती है। इस

बदलाव से तापमान में एक से दो डिग्री

की कमी आ सकती है।

इन जिलों में भी ही भीषण गर्मी : गरज में गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी

सिंहभूम, रामगढ़, बोकारो, चतरा,

40 डिग्री तापमान पार करते ही मरने लगे हैं चमगाड़

झारखंड के कई जिलों में भीषण गर्मी से चमगाड़ों की मौत का सिलसिला जारी है। गढ़वा के कड़ी के बाद अब रंका के बांदू बाजार में भी चमगाड़ों की मौत का मामला सामने आया है। ही देवर और रांची समेत गिरिडीह में भी बड़ी संख्या में चमगाड़ों की मौत हो गई। इस संबंध में पर्यावरणविद नितीश प्रियदर्शी ने बताया कि चमगाड़ों का वमड़ा बहुत पहला और इसका रंग बहुत गंभीर होता है। इस वजह से ये 40 डिग्री से अधिक तापमान सहन नहीं कर पाते और इनकी मौत हो जाती है।

जारीबाग, खूंटी, लोहरदगा आदिशहरों में भी भीषण गर्मी होती है। इन जिलों का तापमान 43.0 से 45.0 डिग्री के बीच रहा। अधिकारी जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री तक अधिक है।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरे। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में झारखंड की तीन समेत देश की 57 सीटों के लिए गुरुवार का शम पांच बजे चुनाव का शोर थम गया। इन सीटों पर एक जन को मामला होता है। इन सीटों में झारखंड के 52 उमीदवारों समेत देशभर में कुल 904 प्रत्याशी मैदान में हैं। अब प्रत्याशी शुक्रवार को डोर-टू-डोर कैपेन करेंगे।

झारखंड की तीन सीट गोड्डा, दुमका और राजमहल के लिए 6258 मतदान के बाद बनाए गए हैं। कुल 53,23,886 मतदान होता है। इनमें 27,00,538 पुरुष, 26,23,315 महिला और 33 थर्ड जेडर के बोट हैं। राजमहल से ज्ञापुमो मुकदमों में फँसाकर इंडी मॉटबॉक्स के बिजय हांसदा और भाजपा के ताला मरांडी समेत 14 प्रत्याशी, दुमका से भाजपा की सीता सोरेन और ज्ञापुमो के भी भीषण गर्मी होती है। इन जिलों का तापमान निलम सोरेन समेत 19 प्रत्याशी और 26,23,315 महिला और 33 थर्ड जेडर के बोट हैं। राजमहल से ज्ञापुमो के नेताओं को जेल में डाल रहे हैं, उस हर भाजपा की भी भीषण गर्मी होती है। इन जिलों के तापमान निलम सोरेन समेत 19 प्रत्याशी और गोड्डा से भाजपा के निशिकांत दुबे और कांग्रेस के प्रदीप यादव समेत 19 प्रत्याशी मैदान में हैं।



महागठबंधन के नेताओं ने ज्ञारखंड की खनिज संपदा लूटी : बाबूलाल

पाकुड़/दुमका/साहिबगंज। भाजपा के प्रदेश अस्थक बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा वाले जिस रह रहे ज्ञाटे की खनिज संपदा, ज्यौंगी और खांडी गढ़वा के बाद जारी कर रहा है। आज रोना रो रहे हैं कि भाजपा ने इन्हें फँसा दिया। जब यह है कि कोई बालू योरी, कोई बोयला-पट्टर योरी कर रहा है। वे गुरुवार को पाकुड़ के रहस्यपुर में इडिया गढ़वान प्रत्याशियों के सम्मान में आयोजित सभा में बोल रही थीं।

बोकारो और गिरिडीह में तालाब में डूब गए 5 बच्चे

गिरिडीह/बोकारो, हिटी। गिरिडीह के देवरी और बोकारो के परेशान में डूबने से बच्चे की मौत हो गई। इनमें से दो बच्चे से गयी हैं।

देवरी के नावाआहर तालाब में गुरुवार को नहाने के क्रम में गरजे पानी में डूब जाने से गरिडीह गंभीर नियामी चिक्की विवरकमारी के दस वर्षों पुरुष शिवम कुमार एवं मेरेशी राण के 11 वर्षीय पुत्र प्रियंशु गुलाम रसूल के 11 वर्षीय एक जून को होंगी। गंभीर के लोगों ने दोनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाल दिया। गंभीर के लोगों ने दोनों बच्चों को बोकारो के देवरी एक एक जून को होंगी। गंभीर के लोगों ने दोनों बच्चों को बोकारो के पेटरवार इधर, बोकारो के पेटरवार प्रखंड का योग्य केन्द्र बनाया। इधर, बोकारो के पेटरवार प्रखंड का योग्य केन्द्र बनाया। इधर, बोकारो के पेटरवार अप्रैल तालाब से बच्चों को बोकारो के पेटरवार में तीन बच्चे डूबे।

आलमगीर को पूछताछ के बाद भेजा गया जेल



ईडी रिपोर्ट खत होने पर गुरुवार को कोटि में पेशी बाद आलमगीर को जेल ले जाते पुलिसकर्मी।

में मिलनी चाहिए, वह उपलब्ध करने का अनुरोध किया। साथ ही उचित मैटेंडिकल सुविधा भी दिए जाने का आग्रह किया।

गुमला की दंडाधिकारी साधनाको 3 साल सजा



साधना जयपुरियार।

■ मनिका बीड़ीओ रहते 7 लाख के गवन में दोषी

■ दो अन्य लोगों को भी कोर्ट ने सुनाई सजा

मेंदिनीगढ़ की साधना जयपुरियार अपील समेत अदालत ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया।

दो अन्य दोषियों को ग्रामिकाकरिका कोर्ट ने तीनों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

भारत-पाक मैच में आतंकी हमले की धमकी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। आतंकी हमले की धमकी को देखते हुए न्यूयॉर्क की नासाऊ काउंटी में नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले के लिए अप्रूपूर्व सुरक्षा व्यवस्था होगी।

SP/160 PLAY IT BOLD.
ADVANCED BY NATURE. BOLD BY DESIGN.



To enjoy the video,
please scan QR Code.



BOLD DESIGN



ADVANCED DIGITAL METER



ICONIC LED TAIL LAMP



MONOSHOCK SUSPENSION

For more information
give a missed call on 7230032200

Low ROI @ 7.99%*

No Hypothecation*

Instant Cashback of 5% up to ₹ 3000*

HDFC BANK



मानसून की दस्तक

मानसून के बादलों ने केरल का स्पर्श कर लिया और यह पूरे देश के लिए सुखद और स्वगतयोग्य सूचना है। गरीब से तपते उत्तर भारत में भी अब यह बहुत संतोष की बात है कि भारत-भूमि पर मानसूनी बारिश की शुरुआत हो चुकी है और इसके बादल अब निरंतर पास आते चले जाएंगे। केरल ही नहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों में भी मानसून ने दस्तक दे दी है। वैसे केरल और दिल्ली भारत के अनेक इलाकों में मानसून के पहले की बारिश हो रही थी। पूर्वोत्तर में भी चक्रवात के प्रभाव की वजह से अनेक इलाके जल में डूबे हुए थे, फिर भी मानसून का आना और समय से दो दिन पहले आ जाना खास मायने रखता है। भू-विज्ञानियों के लिए यह अध्ययन का विषय है कि मानसून दो दिन पहले कैसे आ गया? क्या यह भारत-भूमि पर अत्यधिक गरमी या धूप का असर है? मौसम संबंधी हमारे अनुमान अगर सटीक नहीं बैठे हैं, तो यह अपने आप में सोचने का विषय है। वैसे केरल तट पर मानसून के पूँछने की तिथि 1 जून ही है, लेकिन यह कभी भी पहले, तो कभी कुछ देर से पहुँचता है।

खैर, मानसून को आगे बढ़कर महाराष्ट्र पार करने में दस दिन लगेंगे और जून महीने के अधिकर तक यह उत्तर भारत को भी भिजाने लगेगा।

वैसे यह मानसून जाता है कि दक्षिण में मानसून के अनेक इलाकों में दूर से पहुँचने की तिथि 1 जून ही है, लेकिन यह कभी भी पहले, तो कभी कुछ देर से पहुँचता है।

खैर, मानसून को आगे बढ़कर महाराष्ट्र पार करने में दस दिन लगेंगे और जून महीने के अधिकर तक यह उत्तर भारत को भी भिजाने लगेगा।

वैसे यह मानसून जाता है कि दक्षिण में मानसून के अनेक इलाकों में दूर से पहुँचने की तिथि 1 जून ही है, लेकिन यह कभी भी पहले, तो कभी कुछ देर से पहुँचता है।

उत्तर भारत में लोग भी चिन्हण गरमी से मूकित के इंतजार में हैं। जगह-जगह से आगजनी की घटनाओं की सूचना भी आ रही है। भारत में गरमी से भी ज्यादा बड़ी समस्या बन या पेयजल का अधिक है और उससे भी बड़ी समस्याओं का अधिकतम समाधान मानसून के पास ही है और इसीलिए इसका बेस्टी से इंतजार स्वाभाविक है। मानसून अपने आप में एक पूरी संस्कृति है, जिसे दुनिया भर के अनेक विद्वान बहुत चाह से देखते हैं। अंग्रेज लेखक अलेक्जेंडर फ्रेटर ने 1980 के दशक के अधिकर में एक साल मानसून का पीछा किया था, केरल के समुद्री तट से चेरांगी तक और एक पूरी किटाब चेंजिंग द मानसून ही लिख डाली थी कि कैसे मानसून के साथ भारत और उसका समाज खूबसूरत करवात लेता है। आज भी भारतीय समाज राहत की करवट के लिए बेताब है। मानसून के समय जीवन शैली के साथ-साथ पहाने और खान-पान में भी बहुत परिवर्तन आ जाता है। सांस्कृतिक रूप से देश और समृद्ध हो उठता है। हालांकि, मानसून का समय भारतीयों के लिए सावधानी का समय है। बाढ़ और जल भरव रखने से भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता है।

बहरहाल, यह भी एक खुशखबरी है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्ष चार प्रतिशत होने की संभावना है। अच्छी बारिश का व्यापक महत्व है, क्योंकि भारतीय कृषि की सीधे बारिश से जुड़ता है और ग्रामीण में अगर बारिश की वजह से खुशहाली आती है, तो इससे शहरों की भी लाभ तभी है। एक और बात गोर करने की है कि इस बार पाठों और जंगलों में बहुत आग लगी है। उत्तराखण्ड से लेकर जम्म-कश्मीर तक से आग की शिकायत आई है। वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि गरीबी के दिनों में जंगलों में लगने वाली आग का असली उपचार बारिश ही है।

बहरहाल, यह भी एक खुशखबरी है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्ष चार प्रतिशत होने की संभावना है। अच्छी बारिश का व्यापक महत्व है, क्योंकि भारतीय कृषि की सीधे बारिश से जुड़ता है और ग्रामीण में परिवर्तन होता है। एक प्रामाणी अथव्यवस्था का सीधे बारिश से जुड़ता है और ग्रामीण में अगर बारिश की वजह से खुशहाली आती है, तो इससे शहरों की भी लाभ तभी है। एक और बात गोर करने की है कि इस बार पाठों और जंगलों में बहुत आग लगी है। उत्तराखण्ड से लेकर जम्म-कश्मीर तक से आग की शिकायत आई है। वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि गरीबी के दिनों में जंगलों में लगने वाली आग का असली उपचार बारिश ही है।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

भारतीय कम्युनिस्ट

अभी हाल में दक्षिण-पूर्वी यूनियन के ब्रिटिश कम्पिनेशन जनरल मैटलकम मैक्डोनल्ड का कथन लिखकर मानसून में एक प्रति-निर्णय सम्मेलन में कहा कि एशिया में भारत ही ऐसा देश है, जहां अन्य मैटलकमों को सबसे बड़ी फिलाफल मिलती है।

किन्तु भारत सरकार के अगे 'प्रजातंत्री तथा राष्ट्रीय' विशेषण लगाकर उन्होंने अनजाने में इस कारणों की ओर इंगित कर दिया है। यदि किसी देश की सरकार वास्तविक रूप में प्रजातंत्री तथा राष्ट्रीय हो, तो वहां कम्युनिस्टों तथा दूसरे अराजक तत्वों की सफलता के लिए बहुत कम गुणात्मक रूप होता है। यहां जीवन जीवन की अपनी मौजूदा सरकार की अनुभव कर सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

जिन लोगों ने अपना नन्म-नन्म-धन द्वारा एक उत्तराखण्ड के लिए उत्तराखण्ड कर दिया और जो अहनिंश भारत की उन्नति की चिन्ता करते रहते हैं, उनके ही हाथों में देश की बागड़ी होती है। नेहरूजी तथा सदरार पेट्रो के विषय में कहा जा सकता है कि वे के करोंडों के हाथों के स्पन्दन करते हैं। अताखण्ड ऐसे तपे-तपाये, सहदय, योग्य नेता यदि कभी गलती भी करें तो उसे जल्दी से सुधार सकते हैं।

नकारात्मक राजनीति करने वाले नकारे जा रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मानते हैं कि देश के लोग लगातार उन राजनीतिक दलों को खारिज कर रहे हैं, जो नकारात्मक राजनीति में विश्वास रखते हैं। उनका कहना है कि आज मतदाता 21वीं सदी की राजनीति देखना चाहता है। हिन्दुस्तान के प्रधान संपादक **शशि शेखर** ने उनकी योजनाओं के अलावा मौजूदा चुनाव, उनकी दशा-दिशा और आने वाले दिनों की संभावनाओं पर विस्तार से बात की। पेश हैं प्रमुख अंश-

■ चुनाव खत्म होने में गिनी के दिन शेष हैं।
मौजूदा चुनावों में आप किस तरह का बदलाव देखते हैं?

सबसे बड़ा बदलाव यह है कि आज मतदाता 21वीं सदी की राजनीति देखना चाहता है। इसमें पर्फर्मेंस को बात हो, देश को आगे ले जाने वाले विजय की बात हो और जिसमें विकसित भारत बनाने के रोडमैप की चर्चा हो। अब लोग जनना चाहते हैं कि राजनीतिक दल हमारे बच्चों के लिए क्या करें? देश का भविष्य बनाने के लिए नेता क्या कदम उठाएं?

राजनीतिकों से आज लोग ये सब सुनना चाहते हैं। लोग पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड भी देखते हैं। किसी पार्टी ने क्या बादे किए थे और उनमें से किनमें पूरे कर पाई, इसका हिसाब भी मतदाता लगा लेता है।

लेकिन कांग्रेस और 'इंडी गढ़बंधन' के नेता अब भी 20वीं सदी में ही जी रहे हैं। आज लोग ये पूछ रहे हैं कि आप हमारे बच्चों के लिए क्या करने वाले हैं तो ये अपने पिता, नाना, परदादा, नानी, परनानी की बात कर रहे हैं। लोग पूछते हैं कि देश के विकास का रोडमैप क्या है तो ये विवरण की सीट होने का दावा करने लगते हैं। वे लोगों को जातियों में बांट रहे हैं, धर्म से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं, तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। ये ऐसे मुद्दे ला रहे हैं, जो लोगों की सोच और आकृत्ति से बिल्कुल अलग हैं।

■ क्या आपको लगता नहीं कि चुनाव व्यवस्था और राजनीतिक आचार-व्यवहार में सुधार की आवश्यकता है। अपनी ओर से कांडे पहल करेंगे?

देश के लोग लगातार उन राजनीतिक दलों को खारिज कर रहे हैं जो नकारात्मक राजनीति में विश्वास रखते हैं। जो सकारात्मक बात या अपना विजय नहीं बताते, वो जनता का विश्वास भी नहीं जीत पाते। जो सिर्फ विरोध की राजनीति में विश्वास रखते हैं, जो सिर्फ विरोध के लिए विश्वास करते हैं, ऐसे लोगों को जनता का मूड समझना होगा और अपने आप में सुधार लाना होगा।

मैं आपको कांग्रेस का उदाहरण दे रहा हूं। कांग्रेस आज जड़ों से बिल्कुल कट चुकी है। वो समझ ही नहीं पा रही है कि इस देश की संस्कृति चुनाव के दौरान उसके नेताओं ने जैसी बातें बोली हैं, उससे पता चलता है कि वो भारतीय लोकतंत्र के मूल तत्व को पकड़ नहीं पा रही है।

कांग्रेस नेता विभाजनकारी बायोनबाजी, व्यवितरण हमले और अपशंक बोलने से बाहर नहीं निकल पा रहे। इस लगातार नहीं तीन-चार चालुकाने ने अगर उस पर ताली बजा दी तो जनना कर्ती है। वो इसे सुखा है, लेकिन उनको ये नहीं पता चल रहा है कि जनता में इन सारी बीजों को लेकर बहुत गुस्सा है।

कांग्रेस तो अहंकारी है, जनता की बात सुनने वाली नहीं है। वो तो नहीं बदल सकती।

लेकिन जो उसके सहयोगी दल है, वो देखे कि जनता का मूड क्या है, वो क्या बोल रही है। उन्हें समझना होगा कि इस राह पर चले तो लगातार रिजेक्शन ही मिलने वाला है। मुझे लगता है कि लोग इहें रिजेक्शन कर-कर के इनको सिखाएं। राजनीति में जो सुधार चाहिए वो लोग ही राजनीतिक दलों, खासकर नकारात्मक राजनीति करने वालों को सिखाएं और बदलाव लाएं।

■ क्या इस चुनाव में जातीय और धर्मिक विभाजन के सवाल ज्यादा उभर आए हैं? जब चुनाव शुरू हुआ था तो एंडे जाड़ा अलग था, आखिरी चरण आने तक अलग?

ये सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, जिन्होंने पहले धर्म के आधार पर देश का विभाजन कराया।

अब भी 60-70 साल से वे विभाजन की राजनीति ही कर रहे हैं। एक तरफ उनकी कोशिश होती है कि गांधी चुनाव होता रहता है। ये वर्तमान सिस्टम है, ये उन्होंने बहुत नहीं करता है। ये गर्नेस को बहुत नुकसान पहुंचाता है। इसके बदलने की जरूरत तो है ही, पर हम कैसे करेंगे?

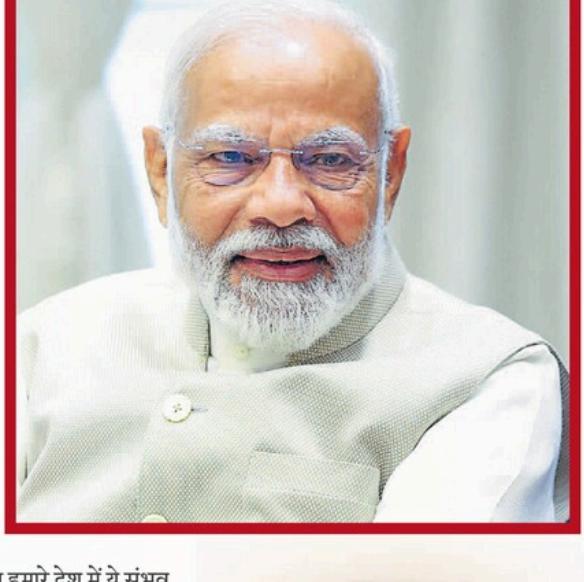
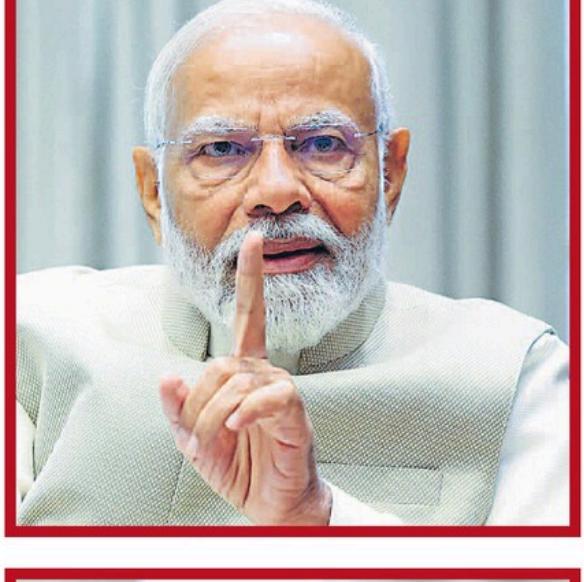
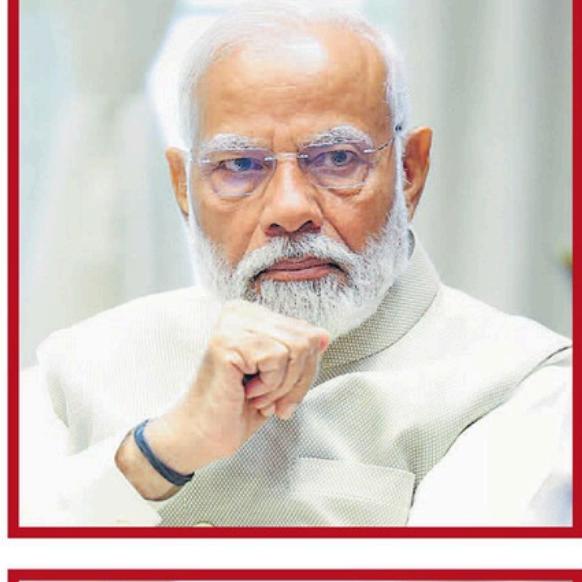
■ क्या इस चुनाव में जातीय और धर्मिक विभाजन के सवाल ज्यादा उभर आए हैं? जब चुनाव शुरू हुआ था तो एंडे जाड़ा अलग था, आखिरी चरण आने तक अलग?

ये सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, जिन्होंने पहले धर्म के आधार पर देश का विभाजन कराया।

अब भी 60-70 साल से वे विभाजन की राजनीति ही कर रहे हैं। एक तरफ उनकी कोशिश होती है कि गांधी चुनाव होता रहता है। ये वर्तमान सिस्टम है, ये उन्होंने बहुत नहीं करता है। ये गर्नेस को बहुत नुकसान पहुंचाता है। इसके बदलने की जरूरत तो है ही, पर हम कैसे करेंगे?

■ क्या इस चुनाव में जातीय और धर्मिक विभाजन के सवाल ज्यादा उभर आए हैं? जब चुनाव शुरू हुआ था तो एंडे जाड़ा अलग था, आखिरी चरण आने तक अलग?

ये सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, जिन्होंने पहले धर्म के आधार पर देश का विभाजन कराया।



दूसरा, ये सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए जो सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति के लिए एसीसी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छोड़कर धर्म के आधार आरक्षण देना चाहते हैं। इसके लिए वो संविधान के विरुद्ध कदम उठाने को तैयार हैं।

ये सवाल कांग्रेस और 'इंडी गढ़बंधन' वालों से पूछा जाना चाहिए, क्योंकि वहाँ हैं जो जोट जाने वाले एवं देश में खुले आम ये लिख रहे हैं हैं। चुनाव आयोग प्रकार चुनाव करने के लिए पूरे देश में काम कर रहा है तो उस में राज्यों का चुनाव भी कराया जा सकता है। इसमें कोई समस्या नहीं है, ये संभव है।

ये जो बातें वारी की राजनीति है, विभाजन की सीधी बात हो रही है। ये सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए जो अपने घोषणा पत्र में खुले आम ये लिख रहे हैं हैं। चुनाव आयोग प्रकार चुनाव करने के लिए पूरे देश में काम कर रहा है तो उस में राज्यों का चुनाव भी कराया जा सकता है। इसमें कोई समस्या नहीं है, ये संभव है।

■ आपने ये भी पूछा कि क्या हमारे देश में ये संभव है तो आप इतिहास में देख लीजिए कि जब संसाधन, तकनीकी कम थी तब भी हमारे देश में एक देश, एक चुनाव हो रहे थे। आजादी के बाद वहले के कुछ चुनाव ही बदलाव हैं।

उसके कुछ वर्ष बाद ही बदलाव हुए हैं। अब भी एक-दो राज्यों में लोकसभा के साथ राज्य विभाजनों के चुनाव हो रहे हैं हैं। चुनाव आयोग प्रकार चुनाव करने के लिए पूरे देश में काम कर रहा है तो उस में राज्यों का चुनाव भी कराया जा सकता है। इसमें कोई समस्या नहीं है, ये संभव है।

■ गर्मी के कारण कम मतदान के चलते यह से मंग उठी है कि इस मौसम में चुनाव हो रहा है। क्या आप भी चुनाव के कैलेंडर में किसी तब्दीली के पक्षधर हैं?

गर्मी के कारण कुछ समस्याएं तो होती हैं। आप देख सकते हैं कि मैंने अपनी पार्टी में सभी उम्मीदवारों को और सामाजिक लोगों को जो पत्र लिखा है, उसमें मैंने गर्मी का ज़िक्र किया है।

पत्र में गर्मी का चुनाव होता है। वो चुनाव होता है। लेकिन इसमें चुना जाना चाहिए, क्या बदलाव होना चाहिए, होना चाहिए या नहीं होना चाहिए। क्या आपने चुनाव के लिए जो हमारा कर्तव्य है, उसमें उम्मीदवारों के जो पत्र लिखा है, उसमें गर्मी का चुनाव होता है।

लेकिन इसमें चुना जाना चाहिए, क्या बदलाव होना चाहिए, होना चाहिए या नहीं होना चाहिए। ये विभाजन की चुनाव होता है। जब एक सामूहिक राय बनेगा तो इसमें कुछ बदलाव लाना चाहिए या नहीं लाना चाहिए।

■ आखिरी चरण में पूर्वी उत्तर प्रदेश की 13 और विहार की 8 सीटों पर चुनाव शेष है। आपने कहा है कि गरीबी और अपावृद्धि के बहुत नुकसान होता है। इसके बदलने की जरूरत तो है ही, पर हम कैसे करेंगे?

आखिरी चरण में पूर्वी उत्तर प्रदेश की 13 और विहार की 8 सीटों पर चुनाव शेष है। आपने कहा है कि गरीबी और अपावृद्धि के बहुत नुकसान होता है। इसके बदलने की जरूरत तो है ही, पर हम कैसे करेंगे?

पूर्वी उत्तर प्रदेश और विहार के प्रति पिछली

सरकारों

के

सरकारों

के

सरकारों

के

सरकारों

के

सरकारों

अपना खेल

आईपीएल के नाकाम दिग्गजों पर नजरें

महारथियों का देश के लिए बल्ला बोला, लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग में रहा खामोश



टी 20
विश्व कप
01 दिन शेष

रोहित शर्मा (भारत)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	14	417	32.08	150	01/01
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	03	121	60.50	168.05	01/00

डेविड वॉर्नर (ऑस्ट्रेलिया)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	08	168	21	134.40	1/0
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	04	205	51.25	165.32	2/0

ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	10	52	5.78	120.93	0/0
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	08	309	51.50	196.81	0/2

जोस बटलर (इंग्लैंड)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	11	359	39.89	140.78	1/2
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	04	158	39.50	122.48	2/0

लियाम लिविंगस्टोन (इंग्लैंड)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	07	111	22.20	142.30	0/0
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	10	196	32.66	151.93	1/0

रविन रविंद्र (न्यूजीलैंड)

	मैच	रन	औसत	रस्ट्रा. रेट	50/100
आईपीएल-24	10	222	22.20	160.86	0/0
टी-20 (अंतरराष्ट्रीय)	14	160	22.85	152.38	1/0



(टी-20 अंतरराष्ट्रीय के आफ़ू वर्ष 2023 से)

रोहित और हार्दिक पर चिंता :

भारतीय टीम में कप्तान रोहित शर्मा

और उपकप्तान हार्दिक पांड्या की फॉर्म

पिलाहाल चिंता का विषय बनी हुई है।

10 मुकाबले में उनके बल्ले से एक भी

अर्धशतक नहीं निकला,

जैक

फ्रेसर मैक्सगुके ने 234 से

स्ट्राइकर से बल्लेबाज़ के बादकला

मचा दिया था। उनके इसी प्रश्नके के

कारण बार में वॉर्नर को बाहर भैठना

पड़ा और मैक्सगुक के बादले बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थे।

वॉर्नर के बाद बल्लेबाज़

में बाहर पैदा किए गए थ

स्वामी विवेकानंद को जहां ज्ञान मिला, वहीं पर बना रॉक मेमोरियल

ऐतिहासिक

नई दिल्ली, एजेंसी। कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल उस चट्टान पर बनाया गया है, जहां स्वामी विवेकानंद को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। तमिलनाडु पर्टन विभाग के अनुसार यह रॉक मेमोरियल स्मारक विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया था।

किंवर्तियों में यह भी कहा गया है कि इसी चट्टान पर देवी कन्याकुमारी ने भगवान शिव से प्राप्ति की थी, जिससे भारत में इस स्थान को महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। तमिलनाडु पर्टन विभाग के अनुसार यह स्तल अपने आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यहां स्वामी विवेकानंद ने 1892 में ध्यान



कन्याकुमारी में प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी ने 45 घंटे का ध्यान शुरू किया है। • एप्पनआइ

मारी बारिशके आसार, उत्तर-मध्य भारतको हीटवेव से राहत मिलेगी

दो दिन पहले पूर्वोत्तर में मानसून ने दर्सक दी



देश के शहरों में मानसून के आगमन की तिथियां

केरल	1 जून	वाराणसी	20 जून	आगरा	30 जून
देहरादून	4 जून	गया	16 जून	दिल्ली	27 जून
मुंबई	11 जून	अजमेर	01 जुलाई	भिवानी	03 जुलाई
रायपुर	16 जून	लखनऊ	23 जून	पिंडियागढ़	20 जून
जमशेदपुर	14 जून	आजमगढ़	20 जून	चंडीगढ़	26 जून
आईजोल	05 जून	छपरा	18 जून	लद्दाख	23 जून

राज्योंने नालौंड, मणिपुर, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश को भी मानसून ने पूरी तरह से कवर कर लिया है। वहां प्रियुरा के ज्यादातर हिस्सों में भी पहुंच गया है।

पिछले केरल और पूर्वोत्तर साथ ही, विशेषज्ञों ने समझ से दो बीची राहां की खबर दी है। वीजैस विभाग ने कहा कि अगले 4-5 दिनों में पूर्वोत्तर में भारी बारिश होगी जिसका असर यह होगा कि उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश में उत्तर लहर का प्रकारों नहीं होगा।

केरल में मानसून के पहुंचने की सामान्यता तिथि एक जून है, लेकिन इस बार 30 मई को भी मानसून ने दर्सक दी दी है। सबसे बड़ी बात यह है कि केरल के एक हिस्से में मानसून के प्रवेश होने के साथ ही पूर्वोत्तर के चार

राज्योंने नालौंड, मणिपुर, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश को भी मानसून ने पूरी तरह से कवर कर लिया है। वहां प्रियुरा के ज्यादातर हिस्सों में भी पहुंच गया है।

पिछले साल 8 जून को पहुंचा था यह मानसून : भौमिक विभाग के अंकड़ों के अनुसार केरल के जल्दी या देरी से पहुंचने का देश में होने वाली जलदी और कभी देर से आना सामान्य बात है। पिछले साल केरल में 8 जून को मानसून पहुंचा था। वहां 2022 में 29 मई को ही पहुंच गया था। वर्ष 2021 में तीन जून को पहुंचा था। वैसे, अब तक का रिकार्ड देखा जाए तो

आजम खां को दस साल कैद की सजा

गमपुर, व. सं.। शहर के चर्चित इंगरेजी प्रकरण से जुड़े एक और केस में अवालत ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अजम खां को 10 साल के कठोर कारावास एवं 14 लाख रुपयों की सजा नालौंड ही है। उनके बीची बेरली निवासी ठेकदार बरकर अली को सात साल की कैद की सजा सुनाते हुए अलग-अलग धारा और में छह लाख का जुमानी लाया है।

सजा सुनाते ही अजम खां के चेहरे पर माझसूसी साफ नजर आई।

झूँझूला पायल में भाजा की सरकार बनने पर वर्ष 2019 में गंज को तोवाली में 12 लोगों की ओर से अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए गए।

श्रीहरिकोटा में स्थित अपने प्रक्षेपण स्थल से अभिनवाणी एसोओआरटीईडी के हाथों पहले उड़ान - मिशन 01 के सफल समाप्ति की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस नियन्त्रित उड़ान में मिशन के सभी लक्ष्य हासिल किए गए। स्टार्ट अके अनुसार, प्रक्षेपण स्थल से अपने प्रक्षेपण का उत्तर द्वारा देखा जाएगा। इंडोनेशिया के एक पोस्ट में कहा, अग्निवान कॉस्मॉस-01 मिशन के उनके प्रक्षेपण स्थल से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निवान कॉस्मॉस को बधाई। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

अग्निवान कॉस्मॉस ने कहा,

केजरीवाल की अर्जी पर ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई के अंतरिक्ष स्टार्ट-अप अग्निकुल कॉस्मॉस ने गुरुवार को श्रीहरिकोटा स्थल से अपने स्वरेश नियन्त्रित 3 डी-पिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निवान का उप-क्षीय परीक्षण का सफलतापूर्वक किया। अग्निकुल कॉस्मॉस वह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत में दूसरी निजी ईडी का बहाई बन गई है।

अग्निकुल कॉस्मॉस ने कहा,

लांचिंग: स्वदेशी अग्निवान ने भरी सफल ऊँची उड़ान

■ सफल परीक्षण

गमपुर, व. सं.। शहर के चर्चित इंगरेजी प्रकरण से जुड़े एक और केस में अवालत ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अजम खां को 10 साल के कठोर कारावास एवं 14 लाख रुपयों की सजा नालौंड ही है। उनके बीची बेरली निवासी ठेकदार बरकर अली को सात साल की कैद की सजा सुनाते हुए अलग-अलग धारा और में छह लाख का जुमानी लाया है।

सजा सुनाते ही अजम खां के चेहरे पर माझसूसी साफ नजर आई।

इसका यह मतलब था कि वहां मानसून जलदी पहुंचा है तो दूसरे स्थानों पर भी जलदी पहुंच जाएगा। यह सबकुछ आगे की मौसमी स्थितियों पर निर्भर करता है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने पर हमले में संलिप्तता के आरोप में सेना के तीन लिपिनेट कर्नल और 13 अन्य के खिलाफ हत्या और डकैती की कोशिश का मामला जमानत के लिए आवेदन दाखिल किया है। ईडी ने जमानत पर एक जबाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर एक जून और नियमित जमानत पर एक जून तक बाल भारत का समय इडी को दिया है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने के सपाके राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अजम खां को 10 साल के कठोर कारावास एवं 14 लाख रुपयों की सजा नालौंड ही है। उनके बीची बेरली निवासी ठेकदार बरकर अली को सात साल की कैद की सजा सुनाते हुए अलग-अलग धारा और में छह लाख का जुमानी लाया है।

सजा सुनाते ही अजम खां के चेहरे पर माझसूसी साफ नजर आई।

इसका यह मतलब था कि वहां मानसून जलदी पहुंचा है तो दूसरे स्थानों पर भी जलदी पहुंच जाएगा। यह सबकुछ आगे की मौसमी स्थितियों पर निर्भर करता है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने पर हमले में संलिप्तता के आरोप में सेना के तीन लिपिनेट कर्नल और 13 अन्य के खिलाफ हत्या और डकैती की कोशिश का मामला जमानत के लिए आवेदन दाखिल किया है। ईडी ने जमानत पर एक जबाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर एक जून और नियमित जमानत पर एक जून तक बाल भारत का समय इडी को दिया है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने के सपाके राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अजम खां को 10 साल के कठोर कारावास एवं 14 लाख रुपयों की सजा नालौंड ही है। उनके बीची बेरली निवासी ठेकदार बरकर अली को सात साल की कैद की सजा सुनाते हुए अलग-अलग धारा और में छह लाख का जुमानी लाया है।

सजा सुनाते ही अजम खां के चेहरे पर माझसूसी साफ नजर आई।

इसका यह मतलब था कि वहां मानसून जलदी पहुंचा है तो दूसरे स्थानों पर भी जलदी पहुंच जाएगा। यह सबकुछ आगे की मौसमी स्थितियों पर निर्भर करता है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने पर हमले में संलिप्तता के आरोप में सेना के तीन लिपिनेट कर्नल और 13 अन्य के खिलाफ हत्या और डकैती की कोशिश का मामला जमानत के लिए आवेदन दाखिल किया है। ईडी ने जमानत पर एक जबाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर एक जून और नियमित जमानत पर एक जून तक बाल भारत का समय इडी को दिया है।

गमपुर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा पुलिस थाने पर हमले में संलिप्तता के आरोप में सेना के तीन लिपिनेट कर्नल और 13 अन्य के खिलाफ हत

